क्या हम ये करने के लिए तैयार हैं...!

जीवन में ये हमेशा याद रखना कि जब कोई किसी के बारे में बोलता है तो वास्तव में वो उनके बारे में नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व के बारे में बता रहा होता है। हम उससे दूसरे को नहीं, सुनाने वाले को जान जाते हैं। क्योंकि वो अपने नज़रिए से सुनाएगा। किसी तीसरे के अंदर विशेषता न भी हो लेकिन देखने वाले के अन्दर वो नज़र है, जो विशेषता देखेगा तो वो अच्छा-अच्छा ही सुनाएगा। किसी में विशेषता हो, लेकिन हमारे अन्दर उसे देखने की नज़र न हो तो हम कभी-कभी दूसरों के बारे में बहुत कड़वी बातें कह जाते हैं।

जब भी किसी का परिचय सुनाएं तो याद रखें कि वो उनका नहीं, अपना व्यक्तित्व दर्शा रहे हैं। दुनिया में आज सबसे बड़ी बीमारी असुरक्षा की है। यह घरों में भी आ जाती है, काम के क्षेत्र पर भी आ जाती है। सेवा के क्षेत्र पर भी आ जाती है। असुरक्षा से घिरे हम औरों को आगे बढ़ता हुआ नहीं देख पाते। अध्यात्म में हमें यह सीखने को मिलता है कि हम जितना औरों को आगे बढ़ाएंगे उतना ही हम स्वतः आगे बढ़ जाएंगे। जितना औरों को आगे बढ़ने से रोकेंगे तो बाकी भी सारा कुछ स्वतः ही हो जाएगा।

ये स्वर्ग जिसके बारे में हमने सुना है और हम कहते हैं कि स्वर्ग बनाएंगे। तो आज इसे देखने की कोशिश करते हैं। आज का मेरा जीवन जहाँ मैं हूँ। जिस परिवार में, जिन लोगों के साथ, जिस सेवा स्थान पर, जिस कर्मक्षेत्र पर... मुझे उसे स्वर्ग बनाना है। आप उस स्थान को देखिए कि वो स्वर्ग कैसा होगा। इस स्वर्ग में सिर्फ खुद को देखें कि मेरा सबके साथ व्यवहार कैसा होगा। बात करने का तरीका कैसा होगा। सामने से कोई गलती करेगा तो मैं उस बात में कैसी प्रतिक्रिया करूंगा। जीवन में चलते-चलते अचानक कोई बड़ी बात आ जाए, तो मैं कैसे सामना

करूंगा। कोई मेरे साथ गलत करेगा, यहाँ तक कि मेरा नुकसान भी कर सकता है, जो कि रिश्तों में भी हो सकता है। काम में भी हो सकता है। कार्यक्षेत्र पर भी हो सकता है। तो आपने क्या किया, लेट गो कर दिया या पकड़ा हुआ है?

एक तर्क है कि जब सतयुग आएगा तो हमारा जीवन बहुत सहज होगा। इस सृष्टि पर कलियुग कैसे बना, इस पर विचार करें।

मुझ एक को देख परमात्मा क्या कहता है- जैसा कर्म आप करेंगे आपको देख और करेंगे।

पहले किसी एक ने गुस्सा किया होगा। और उसका काम हो गया होगा। सामने से हमने खड़े होकर देखा वाह, ऐसे काम होता है। तब मैंने कहा कि अगली बार मैं भी ऐसा वाला तरीका ट्राई करूंगा। अगली बार एक किसी और ने किया, तीसरे टाइम किसी और ने किया। धीरे-धीरे पहले वो मेरा संस्कार बना, फिर वो औरों का संस्कार बना, फिर सबका संस्कार बना तब वो कलियुग बन गया। पहले जब किसी एक ने गुस्सा किया होगा तब वो दुनिया कलियुग नहीं थी। तब अधिकांश लोग शांत होंगे उसमें से किसी एक ने गुस्सा किया होगा। उसे देख दूसरे ने किया होगा, फिर तीसरे ने किया होगा। एक ने झूठ बोला, एक ने रिश्वत ली, सबने शुरु किया होगा। एक ने किया, पांच ने किया, दस ने किया, लाख ने किया, फिर पूरी सृष्टि ने कर दिया तो कलियुग बन गया।

अब कलियुग से सतयुग बनाना है, यह कैसे बनेगा। पहले सारे शांत थे एक ने गुस्सा किया होगा। अभी क्या होगा...सारे परेशान होंगे और एक स्ट्रांग रहेगा। पहले क्या था सब सच बोल रहे थे एक ने झूठ बोला होगा। अभी क्या होगा ज़्यादातर झूठ बोल रहे होंगे और एक सच बोलेगा। पहले क्या था सब ईमानदार थे, एक ने रिश्वत ली होगी। अब अपने आपसे पूछना है कि क्या मैं वो एक हूँ। क्या मैं वो एक बनना चाहता हूँ। मुझ एक को देख परमात्मा क्या कहता है- जैसा कर्म आप करेंगे आपको देख और करेंगे। जब हम कुछ करते हैं तो हमारी वायब्रेशन चारों तरफ फैल जाती है। वो औरों को भी टच करती है। वो भी वैसा करना शुरु करेंगे। लेकिन उस एक को हिम्मतवाला बनना पड़ेगा।

सारे आस-पास अशांत हैं, परेशान हैं, गुस्सा भी करते हैं, कहते हैं गुस्सा करना भी पड़ता है, लेकिन मुझे सतयुग लाना है। अगर ये आसान होता तो हिम्मत किसलिए चाहिए होती! क्योंकि हम बहाव के उल्टी दिशा में बहने का संकल्प कर रहे हैं। अधिकांश लोग एक दिशा में आएंगे हमें दूसरी दिशा में जाना है। हम ऐसे समय में चल रहे हैं जब वातावरण का वायब्रेशन भी निगेटिव है। लेकिन उस वायुमण्डल में हमें बदलना है। जो तय कर लेगा, वो कर लेगा। क्योंकि हमें अकेले नहीं करना है, हमें परमात्मा की शक्ति को अपने साथ लेकर करना है। हमें सिर्फ निर्णय लेना है। क्या हम ये करने के लिए तैयार हैं?

चंडीगढ़। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चंडीगढ़ के टैगोर थिएटर में ब्रह्माकुमारीज़ पंजाब ज़ोन के पूर्व डायरेक्टर राजयोगी ब्रह्माकुमार अमीर चंद भाई जी की प्रथम पुण्यतिथि पर 'आध्यात्मिकता द्वारा सामाजिक परिवर्तन' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेन्स में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित, जस्टिस दया चौधरी,प्रेसीडेंट,पीएससीडीआरसी, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,निदेशिका,ओआरसी गुरूग्राम, राजयोगी ब्र.कु. प्रेम भाई,गुलबर्गा, पंजाब व चंडीगढ़ ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. उत्तरा दीदी, डॉक्टर प्रताप मिड्ढा,ग्लोबल हॉस्पिटल,माउण्ट आबू आदि गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे।

पठानकोट-पंजाब। दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी धर्मपत्नी मधुलिका रावत एवं उनकी टीम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सत्या बहन, स्थानीय सेवाकेन्द्र प्रबंधक ब्र.कु. प्रताप भाई तथा सेना के जवान।

निवाली-म.प्र.। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप जाधव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. साधना बहन।

भीनमाल-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ रायजोग केन्द्र भीनमाल एवं ग्लोबल नेत्र अस्पताल आबूरोड के संयुक्त तत्वाधान में दिवंगत श्रीमति बग्गूबाई जावतराजजी सेठ भीनमाल वालों की ओर से 120वाँ विशाल नेत्र चिकित्सा एवं मोतियाबिंद जाँच शिविर का आयोजन स्थानीय सेवाकेन्द्र में किया गया। दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, डॉ. अंशुमान,ग्लोबल नेत्र अस्पताल आबूरोड तथा अन्य गणमान्य अतिथियों सहित ब्र.कु. भाई-बहनें।

कोरबा-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित सात दिवसीय 'श्रीमद् भगवद् गीता ज्ञान यज्ञ' विषयक कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्र.कु. लीना बहन, राजकिशोर प्रसाद,महापौर,नगर पालिका निगम कोरबा, लखनलाल देवांगन,पूर्व संसदीय सचिव,छ.ग. शासन, एम.डी. माखीजा,पूर्व गवर्नर,लायंस क्लब, नरेन्द्र देवांगन,पार्षद,नगर पालिका निगम कोरबा, ब्र.कु. रुकमणी बहन तथा बड़ी संख्या में अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

सिलवासा-गुज.। कलावती देलकर,सांसद,सिलवासा एंड दादरा नगर हवेली,यू.टी. को परमात्म संदेश देने के पश्चात् माउण्ट आबू आने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. सुरेखा, ब्र.कु. विनु, ब्र.कु. आसपी तथा ब्र.कु. वर्षा।

कोहिमा-नागालैंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'यूनिवर्सल पीस एंड हार्मनी' विषय के अंतर्गत आयोजित 'पीस एंजेल रैली' का सोखरेज़ी पार्क से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करते हुए तेमजेन इमना,मिनिस्टर ऑफ हाइयर एंड टेक्निकल एजुकेशन एंड ट्राइबल अफेयर्स,गवर्नमेंट ऑफ नागालैंड। साथ हैं ब्र.कु. रूपा राज, ब्र.कु. विनोद तथा अन्य।

सारनाथ-वाराणसी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के जीवनमूल्य आध्यात्मिक कला मंदिर सेवाकेन्द्र का अवलोकन करने के पश्चात् श्रीमति मोनिका गर्ग,अपर मुख्य सचिव,उच्च शिक्षा,उ.प्र. सरकार को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. बिपिन भाई। इस अवसर पर श्रीमति गर्ग की दो सुपुत्री, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी वर्मा जी, ब्र.कु. तापोशी बहन तथा अन्य अतिथि व ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। हरियाणा योग आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आयुष विभाग के महानिदेशक साकेत कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सरोज दीदी।

जबलपुर-धनवंतरी नगर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'अध्यात्म-चिकित्सा स्नेह मिलन' कार्यक्रम में ब्र.कु. पवन पांडेय,पत्रकार, ब्र.कु. डॉ. श्याम भाई,कैंसर रोग विशेषज्ञ, डॉ. वर्षा टंडन,चर्म रोग विशेषज्ञ, डॉ. आशीष टंडन,न्यूरोलॉजिस्ट, राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी,क्षेत्रीय संचालिका,ब्रह्माकुमारीज़,इंदौर ज़ोन, ब्र.कु. भावना दीदी,जबलपुर सेवाकेन्द्र संचालिका के द्वारा डॉ. मोहित गोयल,न्यूरोलॉजिस्ट सभी डॉक्टर्स को सम्मान पत्र भेंट करते हुए।